Hindi Milap Dt 13/05/16.

मेट्रो स्काईवाक्स करायेंगे नई दुनिया का एहसास

शंकरजी स्मृति व्याख्यान में एनवीएस ने बताई मेट्रो की बारीकियाँ

हैदराबाद, 12 मई
(एफ एम सलीम)

हैदराबाद में ज़मीन पर चलने वालों की समस्या जो है सो है, लेकिन हैदराबाद मेट्रो रेल ने आसमान में चलने वालों के लिए नये ख़्वाब बुने हैं। एचएमआर प्रबंध निदेशक एन.वी.एस. रेड्डी ने आज कहा कि मेट्रो रेल स्टेशनों से स्काईवाक्स केवल सरकारी संस्थानों से ही नहीं, बल्कि निजी संस्थानों से भी जुड़ेंगे। इसके अलावा स्काईवाक्स लोगों को अपने घरों तक पहुँचने के लिए काफी सरल, सहज और सुलभ मार्ग उपलब्ध करायेंगे।

एन.वी.एस. रेड्डी आज यहाँ नुमाइश क्लब में शंकरजी स्मृति व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मेट्रो रेल केवल एक रेल परियोजना नहीं है, बल्कि हैदराबाद को दुनिया के अच्छे एवं रहने लायक शहर के रूप में विकसित करने का संकल्प है। उन्होंने बताया कि हाल ही में उन्होंने मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव से बातचीत की, जिसमें उन्होंने स्काईवाक को सरकारी संस्थानों के अलावा निजी संस्थानों, अस्पतालों, स्कूलों एवं आवासीय क्षेत्रों से जोड़ने पर सहमति जतायी। इस तरह सड़क के समानांतर मेट्रो रेल के स्तर पर चलने की सुविधा होगी।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद मेट्रो रेल में दुनिया की मेट्रो परियोजनाओं के सभी अच्छे अनुभव शामिल होंगे। साथ ही कई ऐसे तत्व जो दूसरी मेट्रो में नहीं हैं, वे भी इसमें शामिल होंगे। शहरी क्षेत्र को रहने लायक बनाने की अपनी संकल्पना का उल्लेख करते हुए रेड्डी ने कहा कि बैंकॉक किसी ज़माने में शहरी समस्याओं से ग्रसित था। लोगों के पाँच-पाँच घंटे सड़कों पर निकल जाते थे। इस समस्या को हल करने के लिए वहाँ स्काईवाक्स और स्काईवेज़ बनाये गये। इसके चलते आज वह शहर फिर से जीने लगा है। उन्होंने कहा कि भारत को भी समय रहते सुधरने की ज़रूरत है। आज 30 करोड़ लोग शहरी क्षेत्रों में रहते हैं। आगामी 20 वर्षों में यह संख्या 60 करोड़ हो जाएगी, जिससे सारा विकास ठप्प हो जाएगा। इसके लिए पहले से आधारभूत संरचना का विकास अनिवार्य है।

एन.वी.एस. रेड्डी ने कहा कि देश में आज भी शंकरजी के आदर्शों की आवश्यकता है। उन्होंने एक ऐसे दौर में, जब टेक्नोलॉजी और औद्योगिक विकास नहीं हुआ था, उत्पादकों और ग्राहकों को एक मंच पर लाने के लिए नुमाइश जैसे मंच को प्रोत्साहित किया। इसके साथ ही शैक्षणिक संस्थान भी खोले। उन्होंने कौशल के महत्व को समझा। आज भी इसी भावना की आवश्यकता है। आज हमारे शैक्षणिक संस्थान डिग्रियाँ पैदा करने का स्थल बन गये हैं। वहाँ से कौशल की कोई उम्मीद नहीं की जा सकती। इतने आईआईटी देश में हैं, लेकिन एक नोबल लॉरेट वहाँ से नहीं निकला। उन्होंने कौशल निर्माण के महत्व पर ज़ोर देते हुए कहा कि उत्तर कोरिया जैसा देश, जहाँ कोई प्राकृतिक संपदा नहीं है, मानव संसाधन का उपयोग कर दुनिया के बाज़ार में अपना महत्व जता रहा है। वहाँ की जनसंख्या केवल 30 करोड़ है, जबकि भारत की जनसंख्या 120 करोड़ से अधिक है, लेकिन यहाँ के बाज़ार में चीन का फर्नीचर राज कर रहा है। लोगों ने स्थानीय कारपेंटरों के कौशल को प्रोत्साहित करने का कोई प्रयास नहीं किया।

एन.वी.एस. रेड्डी ने कहा कि किसी ज़माने में हैदराबाद के निज़ाम दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति थे, लेकिन आज बिल गेट्स जैसा व्यक्ति दुनिया का सबसे बड़ा अमीर है। इसी तरह से दूसरे दिन कोई और व्यक्ति अमीरों की सूची में आगे बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि अधिकतर लोगों ने जो दुनिया में बड़े काम किये हैं, उन सबके पास बड़ी डिग्रियाँ नहीं थीं, कई तो मैट्रिक फेल थे, लेकिन अपने कौशल से उन्होंने बड़े काम कर दिखाये। अवसर पर शंकरजी समिति के अध्यक्ष साईनाथ रेड्डी तथा सचिव विनय कुमार भी उपस्थित थे।